वर्द्धमान News

Digital Edition

शिक्षा ■ सेवा ■ समाज ■ धर्म ■ संस्कृति का उजियारा

वर्ष 01 अंक 42 (विशेषांक) | ब्यावर, 1 जनवरी 2026, गुरुवार | Email : vardhmannewsbwr@gmail.com | पृष्ठ : 04 | मूल्य : निःशुल्क

श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति (रजि.) ब्यावर (राज.)

नववर्ष 2026

की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

वर्द्धमान परिवार द्वारा अभिनव-सौगात..

नया साल हमारे सामने प्रस्तुत है...

नए अध्यायों में नई संभावनाएं, नई आशाएं और नई सफलताएं लिखने के लिए...

श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति ब्यावर द्वारा संचालित वर्द्धमान मल्टीमीडिया की टीम जो अब तक हमारे शैक्षणिक संस्थानों एवं हमारे इन हाउस आयोजनों के कवरेज का प्रकाशन वर्द्धमान न्यूज(डिजिटल एडिशन) के माध्यम तक सीमित थे।

समिति के अध्यक्ष श्री सुनील जी खेतपालिया की प्रेरक प्रेरणा एवं समिति के ऊर्जावान मंत्री डॉ नरेंद्र जी पारख के कुशल निर्देशन में हमारी टीम ने अब अपना दायरा विस्तृत करने का निर्णय लिया है।

इसके अंतर्गत हम हमारे ब्यावर एवं जिले में होने वाले प्रमुख आयोजनों का विशेष कवरेज करके उसे खास अंदाज में प्रस्तुत करने का प्रयास करेंगे।

अंग्रेजी नववर्ष 2026 के प्रथम दिवस दादावाड़ी में प्रतिष्ठित मूलनायक संभवनाथ भगवान एवं दादा गुरुदेव के पावन चरणों में हमारा प्रथम संस्करण सुअर्पण कर रहे हैं।



समाज भूषण श्री बहादुर जी कांकरिया का सकल श्वेतांबर जैन संघ ब्यावर द्वारा बहुमान





ब्यावर के विजयनगर रोड़ स्थित दादावाड़ी में नवनिर्मित कुशल अतिथि निवास के मुख्य प्रवेशद्वार, गणधर इन्द्रभूति हॉल, भोजनशाला, लिफ्ट, दादावाड़ी पेढ़ी, मणिधारी चौक के लाभार्थी श्री बहादुर जी कांकरिया का सकल श्वेतांबर जैन संघ ब्यावर द्वारा बहुमान किया गया। इस अवसर पर महेंद्र जी सांखला, महावीर चंद खींचा, गौतम जी श्रीश्रीमाल, सुरेश जी कांकरिया, प्रदीप जी बोहरा, पदम जी बंब, महावीर चंद नाहर, दुली लचंद जी मकाना, उत्तम जी ओस्तवाल, अरविंद जी मुथा, प्रकाश जी मेहता, राजेंद्र जी कुमकुलोल, दलपत जी बोहरा, आशीष जी डोसी, महेंद्र जी बोहरा एवं श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के अध्यक्ष सेठ बलवंत रांका, मंत्री रिखबचन्द खटोड, आलोक सिंघवी कोषाध्यक्ष, मेला संयोजक राजेश जैन, अभय चौपड़ा, कमल श्रीश्रीमाल सहित समाज के प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

॥ ओम ह्रीं श्री संभवनाथाय नमः ॥



काफी है दो बूंदे भगवान रिझाने को,
दो आंसू तो दे दो, चरणों में बहाने को..

ब्यावर नगर में असंभव को संभव बनाने वाले श्री संभव नाथ भगवान का विशाल शिखरबद्ध नयनाभिराम जिनालय



आत्मीय मिलन..

श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ नरेंद्र पारख एवं संघ रत्न की उपाधि से विभूषित बहादुर जी कांकरिया काफी सालों बाद बड़ी आत्मीयता से गले मिले.

॥ जय दादा गुरुदेव॥



133 वर्ष पूर्व प्रतिष्ठित विश्व की प्रथम बालरूप में दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त - जिनकुशलसुरी की अति प्राचीन प्रतिमा

बहादुर जी कांकरिया 'संघ-रत्न' की उपाधि से विभूषित











ब्यावर के विजयनगर रोड़ स्थित दादावाड़ी में नवनिर्मित कुशल अतिथि निवास के मुख्य प्रवेशद्वार, गणधर इन्द्रभूति हॉल, भोजनशाला, लिफ्ट, दादावाड़ी पेढ़ी, मणिधारी चौक के भव्य उद्घाटन अवसर पर श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ ब्यावर द्वारा बहुमान कार्यक्रम में श्री बहादुर जी कांकरिया को 'संघ-रत्न' की उपाधि से विभूषित किया गया। साथ ही लाभार्थी परिवार के सदस्यों : संघरत्न, समाज भूषण, संघवी स्व. श्री कल्याणमलजी कांकरिया की धर्मपत्नी श्रीमती ज्ञानकंवरजी, पुत्र-पुत्रवधु : श्री बहादुरजी-श्रीमती सुशीलाजी, पौत्र-पौत्रवधु: श्री विपिन-रितिका, आयुष-सलौनी, रजत-सुचिता, प्रपौत्र-प्रपौत्री : ध्रुव, सिमाया, याना, तराशा एवं समस्त कांकरिया परिवार, ब्यावर-बैंगलोर, दिल्ली वालों का बहुमान किया गया। श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के अध्यक्ष सेठ बलवंत रांका, मंत्री रिखबचन्द खटोड, आलोक सिंघवी कोषाध्यक्ष, मेला संयोजक राजेश जैन, अभय चौपड़ा, कमल श्रीश्रीमाल सहित समाज के प्रबुद्धजन मौजूद रहे।





ब्यावर के विजयनगर रोड स्थित दादावाड़ी में पंचान्हिका महोत्सव







श्री संभवनाथ भगवान् एवं दादा गुरुदेव की प्रतिष्ठा की सप्तम् वर्षगांठ निमिते भव्य पंचान्हिका महोत्सव में विधिविधान से भव्य पूजन में भाग लेते लाभार्थी

आचार्य महाश्रमण जी के चरण कमल से धन्य होगी ब्यावर जिले की भूमि

नव वर्ष के पहले दिन बर में मांगलिक प्रवचन

03 दिसंबर को ब्यावर में मिलेगा दिव्य आशीष

युग प्रधान महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमण जी का अंग्रेजी नव वर्ष के प्रारंभ होने पर दिव्य आशीष मिलने का परम सौभाग्य ब्यावर जिले की भूमि को मिलने जा रहा है। कार्यक्रम संयोजक गौतम गोखरू ने जानकारी देकर बताया कि नव वर्ष के प्रथम दिवस दिनांक 01 जनवरी 2026 को बर में स्थित मेवाड़ा गार्डन में आचार्य श्री का नववर्ष का मांगलिक एवं प्रवचन का भव्य कार्यक्रम आयोजित रखा गया है। जिसमें देशभर से हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे।

दिनांक 03 जनवरी 2026 को आचार्य महाश्रमण जी, मुख्य मुनि महावीर कुमार जी, साध्वी प्रमुखा विश्रुत विभा जी, साध्वी वर्या संबुद्ध यशा जी संग 100 से अधिक साधु साध्वी वृद्ध का मंगल आगमन होगा।

प्रात: 09 बजे सेंदड़ा रोड,अजगर बाबा के थान के पास से लिंक रोड़, पार्श्वनाथ हॉस्पिटल, ब्रह्मानंद मार्ग होते हुए जवाहर भवन में पधारेंगे। यहां सुबह 10 बजे से मांगलिक प्रवचन का कार्यक्रम होगा।

इस कार्यक्रम को लेकर ब्यावर तेरापंथ सभा अध्यक्ष धनराज रांका, मंत्री रमेश श्रीश्रीमाल, संयोजक गौतम गोखरू, सहसंयोजक मनीष रांका एवं समाज के प्रबुद्धगण तैयारियों में जुटे हैं।

आचार्य महाश्रमण उन महान संत-विचारकों में से एक हैं जिन्होंने आत्मा के दर्शन को न केवल व्याख्यायित किया है, अपितु उसे जीया भी है। वे जन्मजात प्रतिभा के धनी, सूक्ष्मद्रष्टा, प्रौढ़ चिंतक एवं कठोर पुरुषार्थी हैं। उनकी प्रज्ञा निर्मल एवं प्रशासनिक सूझबूझ बेजोड़ है। एक विशुद्ध पवित्र आत्मा जिनके कार्यों में करुणा, परोपकारिता एवं मानवता के दर्शन होते हैं तथा जिनकी विनम्रता, सरलता, साधना एवं ज्ञान की प्रौढ़ता भारतीय ऋषि परम्परा की संवाहक दृष्टिगोचर होती है।

13 मई, 1962 को राजस्थान के एक कस्बे सरदारशहर में जन्मे एवं 5 मई, 1974 को दीक्षित हुए आचार्य महाश्रमण अणुव्रत आंदोलन के प्रवर्तक आचार्यश्री तुलसी एवं आचार्यश्री महाप्रज्ञ की परम्परा में तेरापंथ धर्मसंघ के 11वें आचार्य के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

अध्यात्म, दर्शन, संस्कृति और मानवीय चरित्र के उत्थान के लिए समर्पित आचार्य महाश्रमण आर्षवाणी के साथ अध्यात्म एवं नैतिकता, अनुकंपा और परोपकार, शांति और सौहार्द जैसे मानवीय मूल्यों एवं विषयों के प्रखर वक्ता हैं। वे एक साहित्यकार, परिव्राजक, समाज सुधारक एवं अहिंसा के व्याख्याकार हैं। आचार्य महाप्रज्ञ के साथ



अहिंसा यात्रा के अनन्तर आपने लाखों ग्रामवासियों एवं श्रद्धालुओं को नैतिक मूल्यों के विकास, साम्प्रदायिक सौहार्द, मानवीय एकता एवं अहिंसक चेतना के जागरण के लिए अभिप्रेरित किया।

चरैवेति-चरैवेति इस सूक्त को धारण कर वे लाखों-लाखों लोगों को नैतिक जीवन जीने एवं अहिंसात्मक जीवन शैली की प्रेरणा देने के लिए पदयात्राएं कर रहे हैं।

अत्यंत विनयशील आचार्य महाश्रमण अणुव्रत, प्रेक्षाध्यान, जीवन विज्ञान एवं अहिंसा प्रशिक्षण जैसे मानवोपयोगी आयामों के लिए कार्य कर तनाव, अशांति तथा हिंसा से आक्रांत विश्व को शांति एवं संयमपूर्ण जीवन का संदेश दे रहे हैं।

शांत एवं मृदु व्यवहार से संवृत्त, आकांक्षा-स्पृहा से विरक्त एवं जनकल्याण के लिए समर्पित युवा मनीषी आचार्य महाश्रमण भारतीय संत परम्परा के गौरव पुरुष हैं।

धार्मिक नगरी ब्यावरवासियों का यह परम सौभाग्य है कि अंग्रेजी नव वर्ष 2026 के प्रारंभ में ही आचार्य महाश्रमण जी एवं 100 से अधिक साधु, साध्वियों का दर्शन एवं दिव्य आशीष मिल सकेगा।



'परमार्थ शिविर' में बच्चों ने सीखी धार्मिक शिक्षा, नैतिक मूल्य एवं संस्कार





ब्यावर में समता भवन में परम पूज्य आचार्य भगवन श्री रामलालजी महाराज सा एवं उपाध्याय प्रवर श्री राजेश मुनि जी महाराज सा की पावन प्रेरणा से आयोजित पांच दिवसीय परमार्थ शिविर सफलतापूर्वक सुसंपन्न हुआ। शिविर की संयोजिका श्रीमती वीना नाहर ने बताया कि लगभग 125 बालक बालिकाओं की सहभागिता के साथ यह शिविर धार्मिक शिक्षा के साथ साथ नैतिक मूल्यों, संस्कारों और जीवनोपयोगी ज्ञान का सुंदर संगम बना। बच्चों की योग्यता और उम्र के अनुसार कक्षाएं लगाईं गईं। श्री श्रुतप्रभ जी महाराज सा, श्री प्रखर श्रीजी महाराज सा, श्री यत्नेश मुनि जी महाराज सा का सान्निध्य प्राप्त हुआ। श्राविकाओं में प्रीति जी मुथा, विमलेशजी ओस्तवाल, रौनक जी बोहरा, सिंपल जी श्रीश्रीमाल, अंजू जी हिंगड़, सुनीता जी खींचा, प्रियंका जी चिप्पड़, निकिता जी गांग, मीनू जी कोठारी आदि ने ज्ञानार्जन में सहयोग दिया।वीना जी नाहर,शशिकला जी डांगी,रुचि जी कोठारी, सोनाली जी रांका, सोनू जी चौधरी आदि की सेवाएं अत्यंत सराहनीय रहीं।समता युवा संघ के अध्यक्ष अंकुश जी बोहरा का सहयोग सर्वोपरि था। साधुमार्गी जैन संघ द्वारा दिए जानेवाले पौष्टिक आहार ने बच्चों की ऊर्जा और स्वास्थ्य का पूर्ण ध्यान रखा। प्रतिदिन प्रभावना व गतिविधियां,पुरस्कार,प्रमाणपत्र एवं समापन पर उत्साहवर्धक उपहार: हर व्यवस्था बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रख कर की गई। बिना मोबाइल,बिना भौतिक सुविधा के लगभग 5 घंटे प्रतिदिन का यह शिविर बच्चों को सादगी,अनुशासन और आत्म चिंतन से जोड़ने वाला रहा। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की भी प्रस्तुति दी,जिसे सभी कार्यकारिणी सदस्य द्वारा सराहा गया।प्रत्येक सहयोगी ने अपने अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा से किया,यही इस आयोजन की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। सभी शिक्षिकाओं को भी प्रमाण पत्र एवं उपहार दिए गए। संयोजिका श्रीमती वीणा नाहर का शॉल माला द्वारा अभिनंदन किया गया।उन्होंने कहा कि आज के डिजीटल युग में ऐसे शिविर बच्चों के लिए संस्कारों की संजीवनी बूटी हैं,जहां धर्म केवल पढ़ाया नहीं जाता,जिया जाता है और संस्कार बोए गए हैं तो भविष्य स्वयं पुष्पित होगा।

6 दिवसीय शिविर में बच्चों ने सीखे सिन्धी संस्कार

सिन्धु सेवा समिति (महिला विंग) ब्यावर द्वारा आयोजित







सिन्धु सेवा समिति (महिला विंग) ब्यावर की ओर से 25.12.25 से 30.12.25 तक सिन्धी संस्कार शिविर ब्यावर के शास्त्रीनगर गार्डन में आयोजित किया गया। शिविर प्रभारी सोनिया छत्तानी के अनुसार शिविर का समापन हुआ। शिविर में पंजीकृत 120 बच्चों व 62 महिलाओं को सिन्धी त्यौहार, सिन्धी शख्सियत की जानकारी, सिन्धी बेत (कविता), सिन्धी व्यंजन, कुकिंग, सेल्फ डिफेंस, एक्यूप्रेशर, योगा, मार्शल आर्ट, रेजिन आर्ट, नेल आर्ट, पैंकिंग, पर्सनालिटी डेवलमेन्ट, बेस्ट फाम वेस्ट, तथा सिन्धी मंत्र, सहित अन्य बेहतरीन जानकारीयों तथा सामाजिक संस्कार आदि सिखाया गया।

महिला विंग अध्यक्ष रितु देवानी ने बताया कि शिविर में मेले का आयोजन भी किया गया जिसका उद्घाटन प्रेम प्रकाश आश्रम के संत शम्भूलाल सांई द्वारा फिता काट कर व पल्लव पढ़कर किया गया। मेले में 26 विभिन्न सिन्धी व्यजनों की स्टॉल लगाई गई जिसका सभी आगुन्तकों ने लुत्फ उठाया व प्रशंसा की। शिविर के समापन समारोह में महिला विंग अध्यक्ष रितु देवानी द्वारा शिविर के छ: दिवस में हुए कार्यों को विस्तार से बताया गया। समापन समारोह में पंजीकृत 182 बच्चों व महिलाओं के द्वारा शिविर में सीखी गयी गतिविधियों आदि का प्रस्तुतिकरण किया गया। शिविर के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। मेले में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं दस सांत्वना पुरस्कार दिये गये। साथ ही शिविर में अपनी सेवायें देने वाले प्रशिक्षकों को भी मोमेन्टों देकर सम्मानित किया गया। सभी शिविरार्थियों को शिल्ड दी गई। समिति सदस्य दयाल टिलवानी द्वारा शिविर हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया।

सचिव दीक्षा आनन्दानी ने बताया कि समापन समारोह में सिन्धी सेन्ट्रल समाज के हरिकिशन तिलोकानी, लक्ष्मणदास गुरनानी, मुरली तिलोकानी, सुरेश देवानी, शंकर जुरानी, बाबूमल गंगवानी, विनोद हरचन्दानी, ने सिन्धी संस्कृति को बनाये रखने के इस प्रयास को काफी सराहा व सिन्धु सेवा समिति महिला विंग की भूरि-भूरि प्रशंसा की। समारोह का संचालन महिला विंग की अध्यक्ष रितु देवानी ने किया।

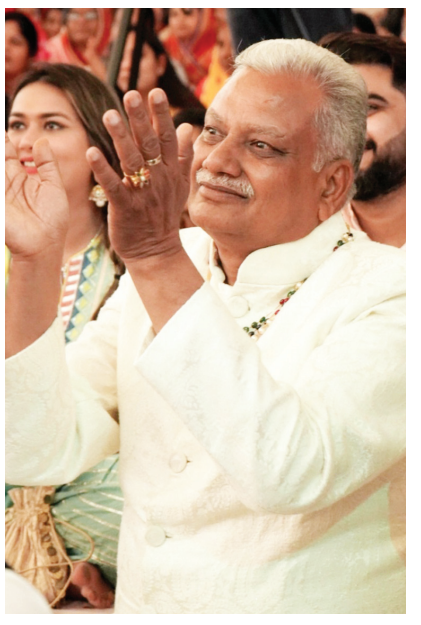
इस अवसर पर लक्ष्मणदास हरवानी, हरिकिशन सावलानी, रमेश सावलानी, समिति के संरक्षक शंकर जुरानी, पूर्व संरक्षक बाबूमल गगवानी, पूर्व अध्यक्ष सुरेश देवानी, डॉ. मुरलीधर आनन्दानी, डॉ. एच. आनन्दानी, डॉ. नरेन्द्र आनन्दानी, हरगुन लालवानी, जय गुलाबानी, अशोक गुरबानी, चन्द्र पारवानी, चन्द्र केसवानी, सुन्दर वासवानी, महेश पारवानी, रमेश छत्तानी, महिला विंग की सपना मंघनानी, कोमल गुरबानी, कोषाध्यक्ष सोनी लालवानी, गुंजन गिदवानी, दीपा विशनदासानी, पुष्पा गंगवानी, पूजा गंगवानी, मनीषा खत्री, विनिता गुलाबानी, वर्षा तिलोकानी., मानसी-लीना तिलोकानी, रश्मी भोजवानी, लक्ष्मी खेसवानी, भारती आनन्दानी, लक्ष्य आनन्दानी आदि उपस्थित रहे।





भावनात्मक सांस्कृतिक प्रस्तुति

प्राणों से प्यारी बेटियां...



राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त श्री विपिन पोरवाल एवं टीम, बैंगलुरु द्वारा दी गई भावनात्मक सांस्कृतिक कार्यक्रम में मौजूद अधिकांश जनों की आंखे भावों से नम हो गई। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद बेटियों को उनके पिता के साथ मंच पर आमंत्रित किया एवं एक से बढ़कर एक 'प्राणों से प्यारी बेटियां गीतों' पर प्रस्तुति दी।

बेटा चाहे छोड़ भी जाए, बेटी साथ ना छोड़ेगी
बाबुल का घर ना छोड़े तो घर से रिश्ता जोड़ेगी,
पिता आपकी सबसे बड़ी दौलत है।
कन्या दान से बड़ा इस दुनियां में कोई दान नहीं.
बिन बेटी के हर भाई की सूनी कलाई है..
इसको कभी ना रुलाना,
आदि अनेक भावनात्मक गीतों की दी प्रस्तुति...
बड़ी संख्या में मौजूद प्रबुद्धजनों की भाव से आंखे हुई नम। सबने कार्यक्रम की जमकर सराहना की।




कार्यक्रम स्थल दादावाड़ी में नववर्ष की पूर्व संध्या पर तेज ठंड के बावजूद देर रात्रि तक मौजूद बड़ी संख्या में समाज के प्रबुद्धजन

